Mood Disorder

Mood Disorder एक ऐसी विकृति है जिसमें व्यक्ति के भाव, संवेग एवं संबंधित मानसिक दशाओं में इतना उतार-चढ़ाव होता है कि वह दिन-प्रतिदिन के जीवन में समायोजन का सामान्य स्तर बना कर नहीं ~~रख~~ रख पाता है। इस तरह की मानसिक विकृति में व्यक्ति की मनोदशा में कभी विषाद (depression) देखा जाता है, और कभी ~~विषाद~~ विषाद (depression) एवं उन्माद (Manic) ~~का~~ दोनों ही जिसका प्रतिकूल प्रभाव व्यक्ति के adjustment पर पड़ता है।

According to Weiten & Lloyd (2003) :
"मनोदशा विकृति विकृतियों का ऐसा वर्ग है जिसमें संवेगात्मक व्यवधान इतना अधिक होता है शारीरिक, प्रात्यक्षिक, सामाजिक एवं चिन्तन प्रक्रियाऐं विघटित हो जाती है।"

According to Carson et al 2003 - "मनोदशा विकृति का आशय मनोदशा सम्बन्धी उन व्याकुलताओं से है जो तीव्र एवं सतत होती है, और कुसमायोजन का कारण बनती है।"

अतः उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि mood disorder से प्रभावित व्यक्ति की मनोदशा में तीव्र एवं सतत उतार-चढ़ाव प्रदर्शित होता है। जिससे इसका व्यवहार कुसमायोजित हो जाता है एवं इसके विभिन्न प्रकार के कार्यों, व्यवहारों एवं चिन्तनों में स्पष्ट रूप में व्यवधान का नकारात्मक प्रभाव दिखाई पड़ता है।

Types of Mood Disorder

DSM - IV में तीन तरह के mood disorder का उल्लेख किया गया है जो निम्नलिखित है।

1. विषादी विकृति (Depressive Disorder)
   - a - डायस्थमिक विकृति (Dysthymic Disorder)
   - b - बड़ा विषादी विकृति (Major depressive Disorder)
2. द्विध्रुवीय विकृति (Bipolar disorder)
   - a - साइक्लोथाइमिक विकृति (Cyclothymic disorder)
   - b - द्विध्रुवीय एक विकृति (Bipolar I disorder)
   - c - द्विध्रुवीय दो विकृति (Bipolar II disorder)
3. अन्य मनोदशा विकृति (other mood disorder)

Scanned with CamScanner

1. Unipolar Mood disorder or Depression disorder

Unipolar mood disorder को Depressive Disorder भी कहा जाता है, इसमें व्यक्ति में विषादी लक्षण दिखाई पड़ता है जैसे उदासी विषाद इसके मुख्य लक्षण है इसके अतिरिक्त - सक्रियता में कमी, भूख में कमी, निद्रा अव्यवधान एवं वजन कम होने के भी लक्षण प्रदर्शित हो सकते हैं। व्यक्ति को जब कोई नुकसान होता है या असफलता मिलती है, या किसी नाकारात्मक घटना का सामना करना पड़ता है तो उसमें उदासी एवं तनाव के लक्षण दिखाई पड़ सकते हैं। ऐसी दशा को ही विषाद (depression) कहा जाता है। इसका व्यक्ति के व्यवहार एवं समायोजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति में Dejection, निद्रा व्यवधान, कार्य में अरुचि, लोगों में अरुचि, भूख में कमी, वजन का घटना आदि के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

According to Sarason & Sarason (2002)

"विषाद किसी हानि या तनावयुक्त घटना के कारण उत्पन्न व्यापक उदासी की मनःस्थिति है परन्तु यह अपेक्षाकृत दीर्घ समय तक बना रहती है। इसमें व्यक्ति में अनुचित सोच पैदा हो जाता है जिसके कारण वह प्रत्येक घटना को संकट (विपत्ति) के रूप में देखने लगता है।

According to Carson et al (2000)

"विषाद वह संवेगात्मक अवस्था है जिसमें अत्यधिक उदासी एवं खिन्नता के लक्षण प्रदर्शित होते हैं।

अतः इन परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि विषाद की दशा में व्यक्ति में अनेक प्रकार के नाकारात्मक लक्षण प्रदर्शित होते हैं।

Major symptoms of Depression

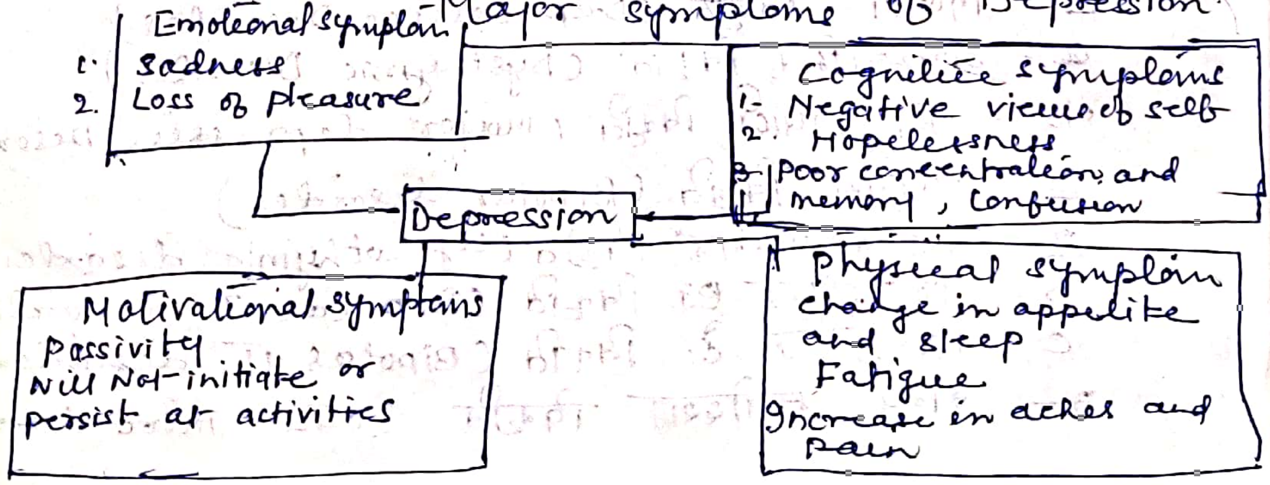

Dysthymia

यह भी unipolar mood disorder में सम्मिलित है यदि किसी व्यक्ति में Depressive disorder के लक्षण दीर्घकालिक हो, जैसे कि एक दो या दो से अधिक वर्षों से व्यक्ति विषादी समस्याओं से ग्रस्त हो तो इसे Dysthymic disorder कहा जाता है। इस प्रकार के रोगियों ~~के~~ में कम से कम दो लक्षण भी पाया जाना चाहिए, तभी इन्हें dysthymic disorder के अन्तर्गत रखा जाएगा।

1- symptoms → 1- भूख कम लगना या अत्यधिक लगना।

2- निद्रा व्यवधान
3- शारीरिक शक्ति में ह्रास
4- ध्यान केन्द्रण या निर्णय लेने में कठिनाई।
5- निम्न आत्म सम्मान
6- निराशा की अनुभूति

Major Depressive Disorder — ~~इस स्थिति में~~ व्यक्ति को कोई बड़े विषादी घटना का अनुभव हुआ होता है major depressive disorder ऐसी घटना होती है जिसमें व्यक्ति में विषादी मनोदशा होती है या व्यक्ति सभी तरह के क्रियाओं में अपनी अभिरुचि खो चुका होता है। DSM IV के अनुसार इसके अतिरिक्त बड़ा विषादी स्थिति में निम्नलिखित लक्षणों का होना अनिवार्य है।

1- उदास एवं विषादी मनोदशा।
2- साधारण एवं सामान्य क्रियाओं में अभिरुचि एवं आनन्द की कमी
3- नींद में कठिनाई, sleep का disturb रहना
4- भूख कम लगना या कभी-कभी अत्यधिक भूख लगना।
5- थकान का अनुभव
6- Negative self concept and feeling of guilt का होना।
7- Lack of concentration
8- मृत्यु या आत्म हत्या का विचार आना
9- इससे ग्रस्त व्यक्ति में delusion and Hallucination की प्रधानता रहती है।

जिन व्यक्तियों को major depressive disorder है उनमें से 15% रोगी Psychosis के लक्षणों से पीड़ित थे

Etiology of Unipolar - disorder

(1) Biological factors
(a) Hereditary factors
(b) Biochemical factors
(c) Neuro-physiological factors

Hereditary factors - शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि mood disorder की समस्या रक्त सम्बन्धियों में अधिक पायी जाती है। परन्तु कुछ शोधकर्ता इससे सहमत नहीं है अतः विषाद के रोगी तथा निकटस्थ सम्बन्धियों में इस विकृति का पाया जाना सदैव आवश्यक नहीं है।

b - **Biochemical factors** Depression को उत्पन्न होने में Biochemical factors की भूमिका होती है, कुछ हेतु शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि मस्तिष्क में संधिस्थलों पर कुछ विशेष रसायन पाये जाते हैं, जो सूचनाओं के संचरण में सहायता करते हैं वे तीन Neurotransmitter निम्नलिखित हैं (1) Norepinephrine (2) Dopamine & Serotonin ये उपर्युक्त जैव रसायन एक विशेष वर्ग के हैं इसे Monoamine class कहते हैं, Antidepressant drugs के प्रयोग से neurotransmitter की concentration प्रभावित हो सकता है इनकी कमी से depression बढ़ती है अतः depression के उत्पन्न होने में इन Biochemical की भूमिका महत्वपूर्ण है।

c - **Neuro-physiological factors** - Mood disorder में हार्मोन्स की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है इस दृष्टि से Hypothalmic - pituitary - adrenal आधार को महत्वपूर्ण मानते हैं Adrenal से स्रावित होने वाला हार्मोन Cortisol इसमें महत्वपूर्ण है। Major depressive व्यक्तियों में इस हार्मोन्स में blood Plasma का स्तर बढ़ जाता है (50 से 60%) जिससे विषाद की समस्या बढ़ जाती है।

2. **Psychodynamic Viewpoint** -
यह सिद्धान्त Freud एवं अन्य के विचारों पर आधारित है। Freud के अनुसार किसी निजी प्रिय वस्तु या व्यक्ति की हानि से विषाद उत्पन्न होता है लेकिन कुछ अन्य विद्वानों के अनुसार बाल्यावस्था के कष्ट का अनुभव विषाद का कारण बनते हैं यदि बचपन में यह धारणा बालक में बन गई कि कोई उसे प्यार नहीं करेगा, इसमें योग्यता नहीं है या वह किसी भी घटनाओं को नियंत्रित करने में असमर्थ रहेगा तो विषाद का उत्पन्न होना तय है। पारिवारिक परिस्थितियाँ विषाद की निःसंदेह महत्वपूर्ण कारण है।

Scanned with CamScanner

Loss of parental affection through inappropriate parenting or actual loss of parent → Sense of personal worthlessness
Need for other's approval
Fear of abandonment

↙

Repression of anger towards others
Overdependence of others → When new loss occurs
Turn anger inward on self
Feel completely abandoned

3 **Behavioural Viewpoint** → इस Viewpoint के अनुसार सामाजिक प्रबलन प्राप्त कर सकने की योग्यता एवं तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने की शैली depression को प्रभावित करती है। जैसे यदि कोई व्यक्ति अपेक्षित परिणाम पुरस्कार या लक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ हो जाता है तो वह अपने आप को वंचित अनुभव करता है जिससे depression उत्पन्न हो जाता है। व्यक्ति की कौशल depression को नियंत्रित करने में सहायक होती है। कभी-2 प्रतिकूल परिस्थितियाँ भी विषाद का कारण बनती है। व्यक्ति की यदि अधिक भावुक एवं संवेदनशील अधिक होता है तो वह भी depression का कारण बनती है। पारिवारिक सहानुभूति की कमी, व्यक्ति में शक्ति की कमी इत्यादि भी depression का कारण बनती है आजकल Behavioural Viewpoint में व्यक्तिगत सम्बन्धी कारकों एवं संज्ञानात्मक कारकों को भी सम्मिलित करने पर बल दिया जा रहा है।

4 **Beck's Cognitive Viewpoint** → Depression के Psychodynamic विचारधारा से भी कुछ विद्वान असहमत रहे हैं, क्योंकि psychodynamic viewpoint के अनुसार वे लोग affective aspect पर बल देते हैं लेकिन cognitive Viewpoint का मत है कि depression या mood संबंधी लक्षणों के प्रदर्शित होने के पीछे cognitive factors की भूमिका हो सकती है। जैसे यदि किसी व्यक्ति विशेष की सूरत अच्छी नहीं है और यदि वह इससे चिन्तित रहने लगे तो वह depression का शिकार हो सकता है। यह विचारधारा - Aaron Beck (1967) के मत पर आधारित है। अतः हम कह सकते हैं कि depression को उत्पन्न होने में व्यक्ति की Negative thinking का बहुत बड़ा हाथ है यदि व्यक्ति इससे प्रभावित न हो तो वह depression के दुष्प्रभावों से बच जायेगा।

Scanned with CamScanner

Beck's Viewpoint की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

1- Dysfunctional Belief
2- Negative automatic thought
3- Negative cognitive Triad

Beck के अनुसार depression में व्यक्तिगत सांस्कृतिक कारकों की भी भूमिका होती है इस दृष्टि से लोगों को संवेदनशील या स्वस्थ वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। Beck's Viewpoint को व्यापक समर्थन प्राप्त है, लगभग तीस वर्षों के शोध-कार्यों से प्राप्त निष्कर्षों पर आधारित यह सिद्धान्त आज भी लोकप्रिय है।

Cognitive Model of Beck's

Depression
↓
Early Experience
↓
Critical Incident
↓
Beliefs activated
↓
Negative automatic thoughts
⟲
Symptoms of Depression

Behavioural — Motivational — Affective — Cognitive — Semantic

Helpless / Hopelessness theory → Cognitive Viewpoint का एक और भी रूप है जिसे Helpless / Hopelessness theory के नाम से जाना जाता है। Beck का सिद्धान्त depression के रोगियों में नकारात्मक भावनाओं पर आधारित है Helpless theory पशुओं पर सेलिगमैन के प्रयोगों पर प्राप्त परिणामों पर आधारित है। subject को असहनीय एवं अनियन्त्रणीय उद्दीपक दिया जाता है तो subject में बचाव की भावना खत्म हो जाती है और वह बाद की परिस्थिति में भी उद्दीपकों से बचाव करना निरर्थक मानने लगता है क्योंकि उनकी यह धारणा हो जाती है कि प्रयत्न करना व्यर्थ है। सेलिगमैन ने इसे Acquired helplessness की संज्ञा दी है। इसमें subject में तीन तरह की Deficit उत्पन्न हो जाती हैं Motivational, Cognitive and Emotional

Hopelessness theory — इस theory का यह मानना है कि मात्र Helplessness की भावना से ही depression उत्पन्न नहीं होता है यदि व्यक्ति Hopelessness feel नहीं करता तो वह depression से बच जाता